FULL STOP - 16

➢➢ अव्यक्त बापदादा की 4 मुख्य शिक्षाएं

➳ _ ➳ सदैव दातापन की भावना रखनी है

→ निर्विघन और इच्छा मातरम् स्थिति का अनुभव

➳ _ ➳ एक लक्ष्य अर्थात सदैव बिंदी को देखना

→ **<u>विस्तार को देखते हुए भी न देखना, सुनते हुए भी न सुनना...</u>** जैसे अर्जुन को मछली की आँख की पुतली दिखाई देती है ...

→ **Mind को <u>बिलकुल Blank</u> कर दीजिये... बिल्कुल खाली कर दीजिये... संसार की हर बात / वस्तु / सम्बन्ध से खुद को <u>Detatch</u> कर दीजिये... और फिर आपका Mind जो संकल्प करेगा , वह सिद्धि को प्राप्त करेगा**

→ हर कर्म करते हुए उसे कम्पैनियन बनाकर रखिये

→ सदैव याद रखें :- **"तुम्हारा एक ही कर्तव्य है की ज्ञान सूर्य से किरणें लेकर पूरे विश्व को देना... यही एकमात्र सेवा है... बाकी सब सेवाएं निमित मात्र हैं.."**

→ <u>बीच बीच में साक्षीपन का अभ्यास</u> बहुत जरूरी है... खुद को Detach करते रहे

→ **<u>"यह संसार एक स्वपन है... मिथ्या है..."</u>** - यह thought आपको immediately इस संसार से जुदा कर देगा

→ "अभी सब कुछ छोड़कर जाना है" - यह स्मृति में रहे

→ <u>याद कीजिये:- जब जब आप विस्तार में गए... क्या मिला ? फिर विस्तार में जाने का दिल ही नहीं करेगा</u>

➳ _ ➳ साकारी शरीर में भी आकारी (फ़रिश्ता) शरीर का अनुभव

➳ _ ➳ साधारण कर्म करते हुए भी महान स्थिति

→ जब तक ज्ञान की पराकाष्ठा (चरम सीमा) न हो ... तब तक बुधी में रहे हमें कम्पैनियन हो रहना है

➢➢ A B C D का फार्मूला

➳ _ ➳ A = ACCEPT

→ जिन बातों को आप बदल नहीं सकते, उन्हें आप स्वीकार (ACCEPT) करना सीख लीजिये... विरोध करना बंद कर दीजिये

➳ _ ➳ B = BYPASS

→ जिन बातों / व्यक्तियों से UNNECESSARY विघन आ रहे हैं, उन्हें BYPASS कीजिये

→ अहंकार के युद्ध में जब आपकी जीत होती है, तो वो ACTUAL में हार ही होती है

→ हारे हुए व्यक्ति की नम्रता उसे WINNER DECLARE कर देती है

➳ _ ➳ C = CANCEL

→ व्यर्थ और नेगेटिव को CANCEL कीजिये

➳ _ ➳ D = DELETE / DETACH

→ पास्ट के खराब अनुभवों को DELETE कर , स्वयं को DETACH कीजिये

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 16, 17, 18 Of Full Stop Book

---